

प्लाज्मा समाचार

अंक 16

अप्रैल
2023

प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर, गुजरात(भारत) का हिंदी समाचार



स्वच्छता पखवाड़ा 2023

16-28 फरवरी, 2023 के दौरान संस्थान में "स्वच्छता-पखवाड़ा-2023" मनाया गया। इस अभियान के हिस्से के रूप में, संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों ने स्वच्छता वॉक, वेबिनार, नारा प्रतियोगिता, नाटक प्रतियोगिता, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इस अभियान में सक्रिय और उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन 16-फरवरी-2023 को आयोजित किया गया।



संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन 2023



संस्थान के कर्मचारी, परिसर में "स्वच्छता पदयात्रा" करते हुए

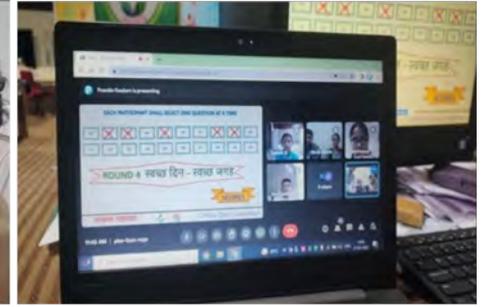
स्वच्छता पखवाड़ा 2023



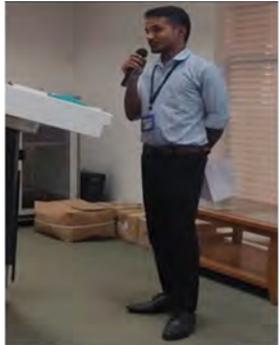
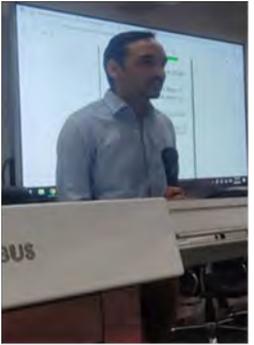
24 फरवरी, 2023 को डॉ. एस.के. नेमा द्वारा "थर्मल प्लाज़्मा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके अपशिष्ट से धन" पर वेबिनार



24 फरवरी 2023 को स्वच्छता पर नाटक प्रतियोगिता का आयोजन



27 फरवरी, 2023 को ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन



28 फरवरी 2023 को वाद-विवाद एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन



स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान कार्यालय कक्षों और प्रयोगशालाओं से कबाड़/कचरा हटाया गया

स्वच्छता पखवाड़ा 2023

28-फरवरी-2023 को "स्वच्छता-पखवाड़ा-2023" का समापन सत्र आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक ने "स्वच्छता प्रतिज्ञा" दिलाई और पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए।



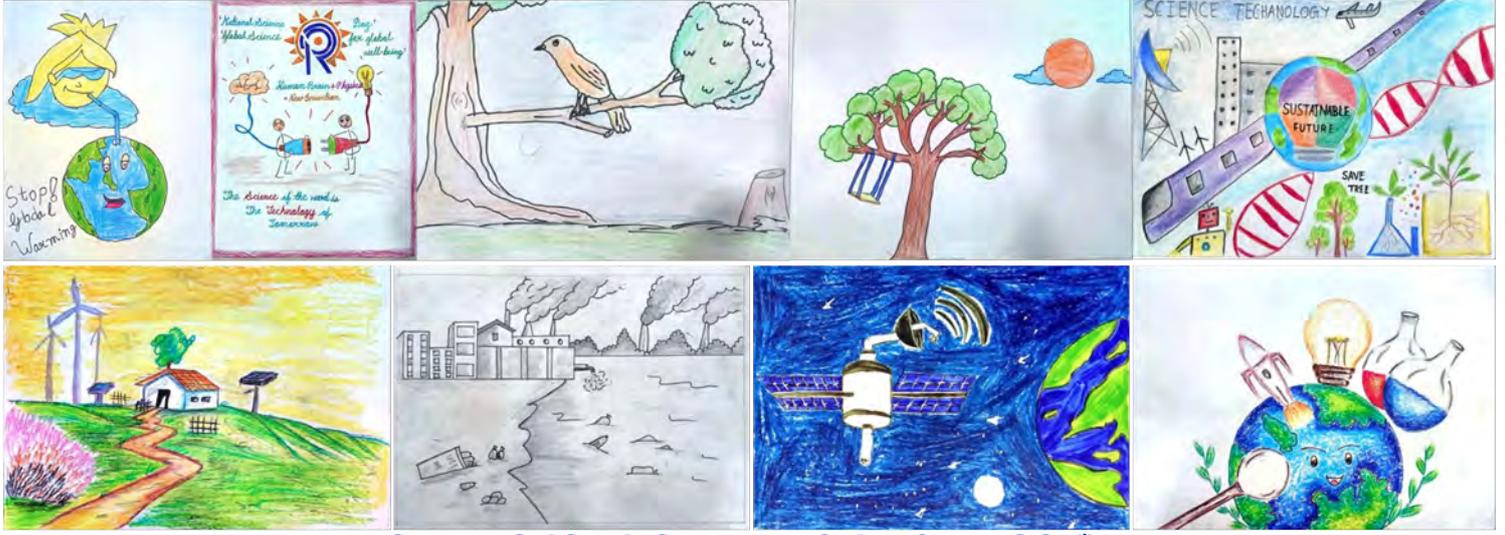
(दाँए) संस्थान के निदेशक, संस्थान कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ ग्रहण कराते हुए (बाएँ) मैनाक बंद्योपाध्याय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन



(दाँए) स्वच्छता पखवाड़ा टीम, डीन अनुसंधान एवं विकास द्वारा पुरस्कार प्राप्त करते हुए (बाएँ) स्वच्छता पखवाड़ा टीम



सीपीपी-आईपीआर के जनजागरूकता प्रभाग ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और शोध विद्वानों के सक्रिय सहयोग से 28 फरवरी, 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस वर्ष के आयोजन का विषय था "वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान"। इस अवसर पर सोनपुर और गुवाहाटी के स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए कई प्रतियोगिताओं (निबंध लेखन, पोस्टर डिजाइनिंग, विज्ञान मॉडल, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, तत्काल भाषण आदि) का आयोजन किया गया। 24 स्कूलों और कॉलेजों के 400 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने इस दिन परिसर का दौरा किया और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर पोस्टरों और प्रदर्शनों के माध्यम से सीपीपी-आईपीआर में किए गए कार्यों पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।



चित्रकला प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार जीतने वाली कुछ प्रविष्टियाँ।



चित्रकला प्रतियोगिता की कुछ झलकें



उपस्थित दर्शकगण



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 पुरस्कार वितरण



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 पुरस्कार वितरण



सीपीपी-आईपीआर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 आयोजन टीम

तकनीक के साथ, विज्ञान की बात

“तकनीक के साथ, विज्ञान की बात” हिंदी वक्तव्य श्रृंखला के अंतर्गत 24 फरवरी 2023 को छठा व्याख्यान संस्थान के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। श्री राजीव शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी-ई ने “क्रायोजेनिक्स तकनीक की जानकारी एवं इसके अनुप्रयोग” (Information on Cryogenic Technology and its Application) विषय पर व्याख्यान दिया। शर्मा जी ने क्रायोजेनिक तापमान के निर्माण की प्रक्रिया, क्रायोजेनिक अवस्था में विभिन्न द्रव पदार्थों की प्रक्रिया, अंतरिक्ष में रॉकेट के प्रणोदन में, सुपरकंडक्टिविटी में इसके उपयोग आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला और आईपीआर में क्रायोजेनिक तकनीक से किये जा रहे विभिन्न अनुप्रयोग पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने क्रायोजेनिक के भंडारण की चुनौतियों एवं सावधानियों से भी अवगत कराया एवं इसके खतरों से बचाव हेतु अपनाए जा रहे सुरक्षा मानकों एवं दिशा निर्देशों के अनुपालन हेतु संस्थान के प्रयासों पर भी चर्चा की। अंत में सेमिनार हॉल में उपस्थित श्रोताओं के लिए इस पर विषय पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये।



विज्ञान दिवस व्याख्यान @ राय विश्वविद्यालय

डॉ. अनीता वी.पी. ने राय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह अवसर पर "विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचारों के लिए प्रचुर मार्ग" शीर्षक पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।



दिनांक	संस्थान	आगंतुकों
09-मार्च-2023	एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा	एमएससी भौतिकी के 55 छात्र और 2 शिक्षक
13-मार्च-2023	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर	बीएससी/एमएससी भौतिक विज्ञान के 44 छात्र और 3 शिक्षक
14-मार्च-2023	ए.जी. टीचर्स कॉलेज, अहमदाबाद	बी.एड. के 33 छात्र और 2 शिक्षक
15-मार्च-2023	राय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद	बीएससी/एमएससी भौतिकी के 34 छात्र और 2 शिक्षक
17-मार्च-2023	एल.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद	बी.टेक आईसी के 56 छात्र और 4 शिक्षक



संस्थान के दौरे के दौरान पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू) गांधीनगर के छात्र और शिक्षक



संस्थान के दौरे के दौरान ए.जी टीचर्स कॉलेज, अहमदाबाद के छात्र और शिक्षक



संस्थान के दौरे के दौरान राय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के छात्र और शिक्षक

संस्थान ने 20-24 फरवरी, 2023 के दौरान सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई में प्लाज्मा, इसके अनुप्रयोगों और परमाणु संलयन पर एक वैज्ञानिक जन जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया। इस 5 दिवसीय कार्यक्रम में प्लाज्मा प्रदर्शनी शामिल थी, जो जनता के लिए खुली थी और साथ ही प्लाज्मा, इसके अनुप्रयोगों और परमाणु संलयन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी था, जिसमें 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पऊवि के जन जागरूकता विभाग के प्रमुख डॉ. आर. के. वत्स ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी का दौरा किया और सोमैया विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक छात्रों के साथ बातचीत की, जो विभिन्न प्रदर्शनों की व्याख्या कर रहे थे। समापन सत्र 24 फरवरी को आयोजित किया गया और इसकी अध्यक्षता सोमैया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.एन. राजशेखरन पिल्लई ने की। इन्होंने प्रदर्शनी का दौरा किया और स्वयंसेवक छात्रों को प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी को करियर के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के साथ-साथ मुंबई और आसपास के स्कूलों के 2500 से अधिक छात्रों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। आने वाले छात्रों के लिए लोकप्रिय व्याख्यान और प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया।



सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय में प्लाज्मा प्रदर्शनी का उद्घाटन।



प्लाज्मा प्रदर्शनी का दौरा करते डॉ. वत्स और अन्य गणमान्य जन



सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय में प्लाज्मा प्रदर्शनी।



आगंतुक छात्रों को प्लाज़्मा का परिचय देते हुए



शिक्षकों के लिए प्लाज़्मा और उसके उपयोगों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम



आगंतुकों को प्रदर्शनियों की व्याख्या करते हुए सोमैया विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक



प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सोमैया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.एन. राजशेखरन पिल्लई

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस @ सीपीपी

9

प्लाज्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) ने 6 मार्च, 2023 को सीपीपी-आईपीआर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस @ सीपीपी महिला दिवस-2023 मनाया। केंद्र निदेशक डॉ. बी.के. सैकिया ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। समाज में महिला संशक्तिकरण का प्रचार करने एवं सशक्त महिलाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से दो स्थानीय उद्यमियों, श्रीमती रंजीता सैकिया डेका और श्रीमती मधुमिता बासुमतारी को अपने विचारों और अपने जीवन की यात्रा को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में उनका विधिवत स्वागत किया गया और उनकी उपलब्धियों और समाज में योगदान को चिह्नित करते हुए उनकी सराहना की गई। महिला उद्यमिता पर जागरूकता लाने के उद्देश्य से आसपास की कुछ महिलाओं को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। श्रीमती गीता रानी भट्टाचार्य, जो लिंग और विकास की एक स्वतंत्र सलाहकार है, ने महिला संशक्तिकरण से संबंधित मुद्दों पर एक व्याख्यान दिया और इस कार्यक्रम की भावना को सार्थक किया। कर्मचारियों और अतिथियों के बीच महिलाओं की उपलब्धियों पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस @ सीपीपी-आईपीआर की छवियां

संस्थान में 4-10 मार्च 2023 के दौरान 52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। इस साल की थीम "हमारा लक्ष्य - शून्य क्षति" थी। संस्थान के कर्मचारियों में सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया। आईपीआर, एफसीआईपीटी और इटर-भारत के कर्मचारियों के लिए गुजराती, हिंदी एवं अंग्रेजी में नारा लेखन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया। इसके अलावा, सुरक्षा प्रभाग ने इस सप्ताह के दौरान नवागंतुकों के लिए सुरक्षा आरंभिक प्रशिक्षण, सुरक्षा कर्मियों और कर्मचारियों के लिए अग्निशमन उपकरणों का प्रदर्शन, सुरक्षा समन्वयकों के लिए जागरूकता सत्र और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण का आयोजन किया।

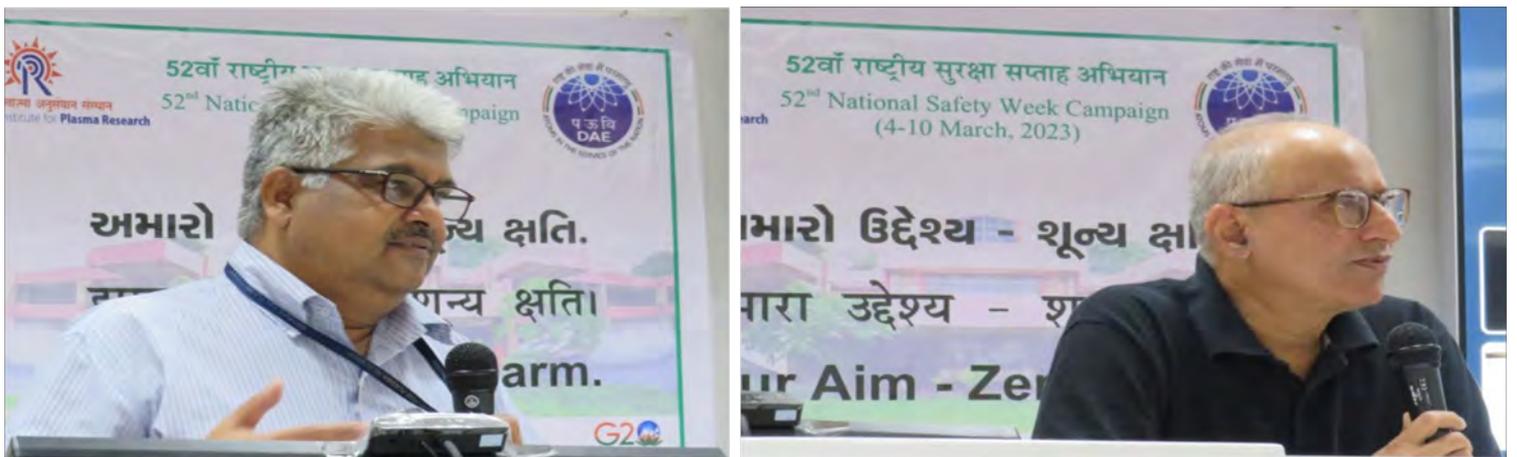
10 मार्च को आयोजित समापन सत्र के दौरान, श्री राजेश कुमार, सदस्य - सुरक्षा समिति द्वारा स्वागत भाषण दिया गया, जिसके बाद श्री सी.के.गुप्ता द्वारा " विद्युत अनुरक्षण कार्य के दौरान सर्वोत्तम सुरक्षा पद्धतियां" पर और डॉ. एस. मुखर्जी, डीन (प्रशासन) द्वारा "सुरक्षा पर विचार" पर एक व्याख्यान दिया। श्री सुनील कुमार, अध्यक्ष - सुरक्षा समिति द्वारा सुरक्षा शपथ दिलाई गई। इसके बाद निदेशक आईपीआर ने सुरक्षा पर एक संदेश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिज़ाइन सुरक्षा समीक्षा समिति (डीएसआरसी) का गठन कर नए प्रयोगों और परियोजनाओं की समीक्षा की जा सकती है। उन्होंने बताया कि हम सभी को सुरक्षा संस्कृति का निर्माण करना चाहिए। सुरक्षा केवल अनुपालन का विषय नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। अंत में, श्री देवेंद्र मोदी, सदस्य सचिव - सुरक्षा समिति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

प्रतियोगिता	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
गुजराती नारा	मनीश वसानी	जतिन कुमार पटेल रजनीकांत अमलियार	जिग्नेश चौहान
हिन्दी नारा	गौरंग महेसुरिया	हेमंत कुमार हडियेल	पूरेश पांचाल मितेश पटेल
अंग्रेजी नारा	मनोहा स्टीफन एम.	मनीश वसानी	शिरीन भेसानिया
गुजराती निबंध	डिकेन्स क्रिश्चियन	मुर्तुजा वोरा	चिराग भावसार और प्रतिभा गुप्ता
हिंदी निबंध	प्रतिभा गुप्ता	ज्योति अगरवाल	-
अंग्रेजी निबंध	तेजस पारेख	अभिषेक शर्मा	रोहित अगरवाल
प्रश्नोत्तरी	तुषार पटेल और निकुंज पटेल	शिशू सैम और अमित ओझा	सुनील बस्सी

संस्थान में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह -2023 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता



राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह -2023 के दौरान (बाएं से दाएं) श्री राजेश कुमार, श्री सी.के.गुप्ता और श्री देवेंद्र मोदी अपनी अभिव्यक्ति देते हुए



(दाँए) डॉ. एस. मुखर्जी और (बाँए) डॉ. शशांक चतुर्वेदी सभा को संबोधित करते हुए



सुरक्षा शपथ ग्रहण करते हुए

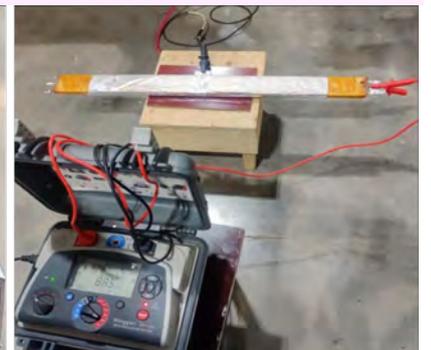
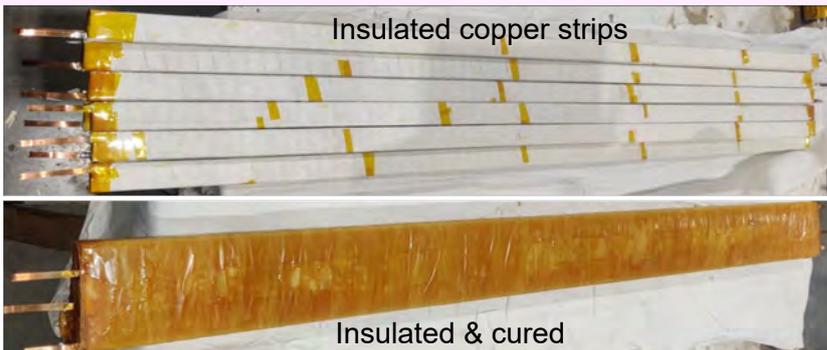


(बाएँ) राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह की प्रतियोगिताओं के पुरस्कार प्राप्त करते हुए कुछ विजेता (दाँए) आग बुझाने का प्रशिक्षण



SST-1 की इन-वेसल कुंडलियों के लिए विद्युत रोधन का विकास

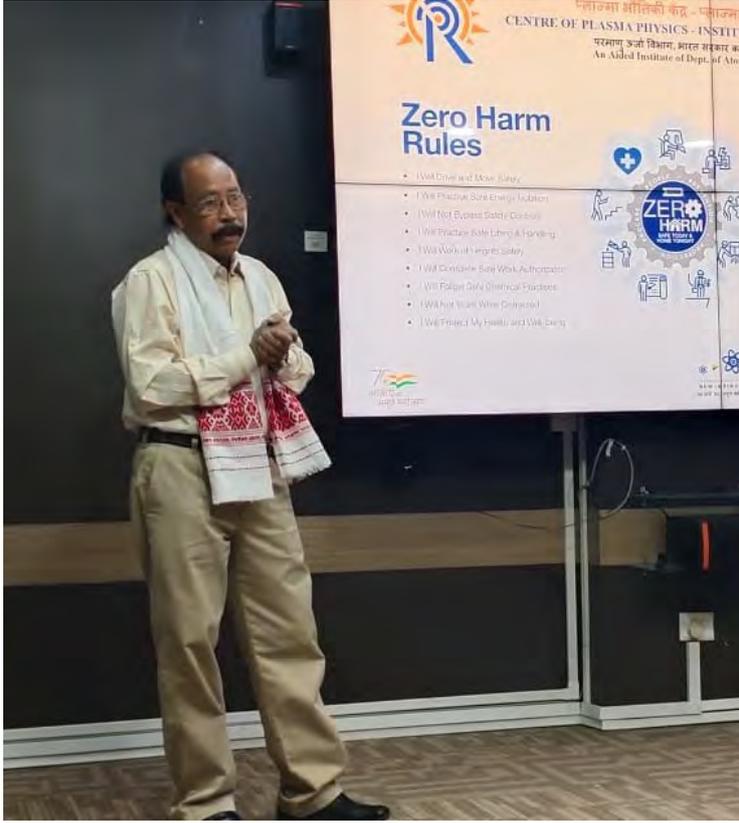
SST-1 के उन्नयन के लिए दो इन-वेसल कुंडलियों (PF#6 and New VF coils) का परिकल्पन किया गया, जिससे प्लाज्मा का नियंत्रण और लम्बे समय के लिए स्पंदित प्रचालन किया जा सके। इन द्वि-समूह कुंडलियों के लिए यथावत कुंडलियों के फेरे बांधने के साथ-साथ उच्च तापमान और उच्च वोल्टता अनुकूलित विद्युत रोधन चुनौतीपूर्ण कार्य हैं। निर्वात पात्र को लगभग 100°C ताप पर सेंकने की प्रक्रिया के दौरान तापमान में चढ़ाव और लगभग 120 वोल्टता कुंडलियों के कारण, एक Class-H अनुकूल विद्युत रोधन प्रस्तावित किया गया है। इन-वेसल कुंडलियों के फेरे बांधने को दोहराने के लिए, उपलब्ध 900 mm लम्बाई और 25 mm चौड़ाई और 6 mm मोटाई वाली कॉपर पट्टियों का प्रयोग करके 3 x 2 मेट्रिक्स वाले कॉपर चालकों का प्रोटोटाइप बनाया गया जिसमें प्रत्येक फेरे के बीच में लगभग 1.5 mm का विद्युत रोधन और लगभग 2.5 mm मोटाई का ग्राउंड रोधन बनाया गया। विद्युत रोधित करके लपेटे हुए समूहों को टेफ्लान स्पेसर का प्रयोग करके विद्युत अवरोधित किए गए SS आवरण में रखा गया। इस प्रोटोटाइप के विद्युत लक्षण-परीक्षण के लिए IR और tand का मापन बेकिंग से पहले और बाद में 50°C पर किया गया। प्रोटोटाइप नमूने के बेकिंग चक्र का अनुकरण करने का बाद, IR और tand का मापन दुबारा 100 °C पर किया गया। विद्युत परीक्षण प्रक्रिया के दौरान लिकेज धारा 10 kV DC वोल्टेज पर नैनो एम्पीयर सीमा में पायी गयी।



(बाँए) प्रोटोटाइप इन्सुलेशन नमूने का निर्माण (दाँए) इन्सुलेशन नमूने का विद्युत लक्षण वर्णन

सीपीपी-आईपीआर ने अपने कर्मचारियों के सदस्यों में सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह अभियान मनाया। इस कार्यक्रम में सुरक्षा जागरूकता नारा, निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं शामिल थीं। जैसा कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा तय किया गया था, नारा और निबंध प्रतियोगिता तीन भाषाओं (असमी, हिंदी और अंग्रेजी) में, इस वर्ष की थीम "हमारा लक्ष्य-शून्य क्षति" पर आधारित थी। इन प्रतियोगिताओं में स्टाफ सदस्यों की प्रतिभागिता अच्छी रही।

अभियान के अंतिम दिन अर्थात 10 मार्च 2023 को समापन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री पल्लव दास, परियोजना वैज्ञानिक अधिकारी (इलेक्ट्रिकल) के स्वागत भाषण से हुई, इसके बाद सम्मानित अतिथि श्री कमल बोरगोहेन ने सामान्य सुरक्षा जागरूकता पर व्याख्यान दिया। श्री बोरगोहेन को उद्योग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है और उन्होंने विभिन्न देशों और कंपनियों में सुरक्षा अधिकारी के रूप में काम किया है। समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।



इटर शीतलन प्रणाली (Cryo-distribution या CD) इट क्रयोप्लांट से शीतलन ऊर्जा का वितरण दबित शीतलकों द्वारा सभी आवश्यक स्थानों जैसे कि अतिचालक चुंबक (टोरोइडल क्षेत्र या TF), पोलोइडल क्षेत्र (PF), करैक्शन कॉइल (CC), सेंट्रल सोलैनोंड (CS), चुम्बकीय संरचना (ST) तथा दूसरे उपयोगकर्ता जैसे उच्च ताप वाले अतिचलाक (HTS) करंट लीड और क्रयोपंप (CP), थर्मल शील्ड इत्यादि तक पहुंचता है। इटर शीतलन प्रणाली में विभिन्न प्रकार के ACBs जैसे की ACB-CP, ACB-TF, ACB-CS, ACB-PF, ACB-ST और थर्मल शील्ड शीतलन तंत्र हैं जिनके द्वारा शीतलन ऊर्जा का वितरण आवश्यक यंत्रों/तंत्रों को आवश्यक दाब, ताप और द्रव्य प्रवाह दर पर किया जा सके। ACB-CP, ACB-TF एवं ACB-CS का निर्माण पूरा हो चुका है और निर्माण स्थल पर स्वीकृति परीक्षण (FAT) तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप सफलता पूर्वक किया जा चुका है। ये सभी गुणवत्ता वर्गीकरण-1(QC-1) वाले घटक हैं जिनकी कुल विमाएँ, लम्बाई 5.6 m, चौड़ाई 5 m और ऊँचाई 4.8 m हैं। FAT के दौरान किए गए मुख्य निरीक्षणों में यूरोप प्रेसर इक्विपमेंट डिरेक्टिव (PED) के अनुसार दबाव परीक्षण, सभी प्रॉसेस परिपथों और निर्वात कवच का हीलियम रिसाव परीक्षण, क्रायोजनिक वाल्वों का कार्यात्मक परीक्षण, सम्पूर्ण विमिय निरीक्षण और सफ़ाई निरीक्षण(जिसमें आंतरिक निरीक्षण भी सम्मिलित है) इत्यादि किए गए। प्रॉसेस से लेकर निर्वात तक आंतरिक पाइप के लिए हीलियम रिसाव परीक्षण ($<10^{-8}$ mbar l/s) और दूसरे रिसाव मानदंडों (वातावरण से निर्वात, प्रॉसेस से वातावरण) का भी सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। इन तीनों ACBs के आंतरिक परिपथों का दाब परीक्षण आवश्यकताओं के अंतर्गत सफलता पूर्वक किया गया और अब ये पैकिंग और निर्धारित स्थान पर भेजने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।



सहायक कोल्ड बॉक्स ACB2 और ACB5 इटर को भेजने के लिए तैयार

सीपीपी-आईपीआर समाचार



15-3-2023 को सीपीपी-आईपीआर की प्रयोगशालाओं के दौरे के दौरान डॉ. शशांक चतुर्वेदी, डॉ. पी.के. आत्रेय और डॉ. विनय कुमार

नवगठित GeM तत्काल खरीद समिति (GUPC) के पास 3 नवंबर 2022 से कोटेशन के बिना वस्तुओं की खरीदी करने का दायित्व है। यह खरीदी, सहयोगात्मक क्रियाविधि से की जाती है, जिसमें सात निर्धारित किए गए GeM खरीदार (AGBs), सैंतीस GeM प्रेषक डिवीजनल अर्जेंट पर्चेसर (डीयूपी), एवं आईपीआर खरीद व भंडार अनुभाग के साथ सक्रिय संपर्क के तहत लेखा अनुभाग, और अध्यक्ष एसपीसी शामिल हैं। GeM खरीद प्रक्रिया से संबंधित प्रशिक्षण दो सत्रों में आयोजित किया गया। सेमिनार हॉल में 24-27 नवंबर 2022 के दौरान आयोजित प्रथम सत्र का संचालन श्री आर. सुगंधी, श्री निपेन नाथ और श्री योगेश दाधीच ने किया। यह सत्र GeM की खरीद और GeM खाता बनाने आदि से संबंधित सामान्य विषय पर केंद्रित था। दूसरा सत्र 24 जनवरी 2023 को हाइब्रिड मोड में श्री आनंद विसानी और श्री एल. एन. श्रीकांत द्वारा संचालित किया गया। इस सत्र GeM स्क्रीन वाले विस्तृत पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों का उपयोग किया गया था। AGB और DUPS के अलावा, आईपीआर, एफसीआईपीटी और सीपीपी-आईपीआर के कई कर्मचारी सदस्यों ने ऑनलाइन GMEET प्लेटफॉर्म पर इस प्रशिक्षण में भाग लिया। GUPC गतिविधियों के लिए दस्तावेज़ प्रबंधन प्रणाली, कंप्यूटर प्रभाग के श्री वी. के. पटेल द्वारा आईपीआर डॉक्यूमेंट और रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली (IDRMS) पर कॉन्फिगर की गई है। इससे संबंधित फॉर्म और तैयार किए गए SOP दस्तावेज़ सभी को आसानी से उपलब्ध करने हेतु कंप्यूटर प्रभाग के श्री हेमंत जोशी द्वारा इंटरा सर्वर पर रखे गए हैं। सभी निर्धारित किए गए GeM खरीदारों ने GeM लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल के सभी ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को पूरा कर लिया है और सिल्वर और गोल्ड सर्टिफिकेशन पास कर लिया है। GUPC भविष्य में लोगों को GeM पोर्टल के विकास के अपडेट देते रहने हेतु, इसी तरह के कार्यक्रम का आयोजन करेगा।



श्री एल एम श्रीकांत, श्री रमेश जोशी और श्री आनंद विसानी GeM से संबंधित अपनी प्रस्तुति देते हुए

सीपीपी-आईपीआर की जनजागरुकता प्रभाग गतिविधियां

मार्च 2023 के महीने में, सीपीपी-आईपीआर के जन जागरूकता प्रभाग ने कॉलेजों के छात्रों को प्लाज़्मा भौतिकी से परिचित कराने हेतु मेघालय के शिलांग के दो कॉलेजों में "प्लाज़्मा भौतिकी पर सेमिनार-सह-कार्यशाला" का आयोजन किया। पहला कार्यक्रम 6 मार्च को सेंट एडमंड कॉलेज में आयोजित किया गया और इसमें कॉलेज के लगभग 70 छात्रों ने भाग लिया था। दूसरा कार्यक्रम अगले दिन यानी 7 मार्च को सिनाड कॉलेज में आयोजित किया गया और इसमें कॉलेज के लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया था। तकनीकी सत्र के दौरान, डॉ. राकेश मौलिक ने प्लाज़्मा भौतिकी का परिचय देते हुए एक व्याख्यान दिया। इसके बाद डॉ. नंगोम आओमोआ द्वारा प्रयोगात्मक प्लाज़्मा भौतिकी के मूलभूत विषय पर और डॉ. बी. जे. सैकिया द्वारा संलयन प्रौद्योगिकी पर एक व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों को एक ग्लो डिस्चार्ज प्लाज़्मा और एक प्लाज़्मा ग्लोब दिखाया गया, और उन्हें सेट-अप के विभिन्न घटकों की भूमिका और कार्य सिद्धांत समझाया गया।



शीर्षक	पृष्ठ सं	शीर्षक	पृष्ठ सं
स्वच्छता पखवाड़ा 2023	1-3	एसएसटी-1 इन-वेसल कॉइल के लिए इन्सुलेशन प्रणाली	11
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 @CPP	4-5	राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह अभियान @CPP-IPR	12
तकनीक के साथ, विज्ञान की बात	5	इटर ACB का फ़ैक्टरी स्वीकृति परीक्षण	13
विज्ञान दिवस वार्ता @ राय विश्वविद्यालय	5	सीपीपी-आईपीआर समाचार	13
संस्थान के शैक्षणिक दौरे	6	जीईएम तत्काल खरीद समिति द्वारा प्रशिक्षण	14
सोमैया विश्वविद्यालय में प्लाज्मा प्रदर्शनी	7-8, 16	सीपीपी-आईपीआर की जनजागरूकता प्रभाग गतिविधियां	14
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस @CPP	9	विदाई	16
52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह - 2023 @ आईपीआर	10-11		

अपने सहकर्मी को जानें



प्रियदर्शिनी गद्दम ने, साईं स्पर्धी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बी. गंगाराम (जेएनटीयू हैदराबाद से संबद्ध) से (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग) बी.टेक की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 2008 में ये आईपीआर के टीटीपी-2008 बैच में एक प्रशिक्षु के रूप में शामिल हुईं और बाद में एक इंजीनियर एससी के रूप में नियुक्त हुईं। प्रशिक्षण के दौरान भी और उसके बाद से ये एसएसटी -1 चुंबक के लिए LabVIEW, VxWorks और Tornado S/W का उपयोग करके VME आधारित डेटा अधिग्रहण प्रणाली पर काम कर रही हैं। इसके बाद उन्होंने विभिन्न उपयोगकर्ताओं के लिए, लैंगमुइर प्रोब डायग्नोस्टिक्स, बीटा मशीन और सिग्नल कंडीशनिंग इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए ट्रिगरिंग सिस्टम की इलेक्ट्रॉनिक्स -आधारित आवश्यकताओं को पूरा किया। वर्तमान में ये डीएसी डिवीजन (डेटा अधिग्रहण एवं नियंत्रण) के साथ लैबव्यू आधारित अनुप्रयोगों जैसे प्लाज्मा कॉलम प्रयोग के लिए उपकरणों का स्वचालन, प्लाज्मा थ्रस्टर प्रयोगों के लिए जीयूआई, मास फ्लो मीटर का केलिब्रेशन आदि का विकास कर रही हैं और उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के अनुसार एचएमआई के विभिन्न ब्रांडों की प्रोग्रामिंग भी करती हैं।

विदाई



आईपीआर न्यूज़लेटर की ओर से मैं श्री के.के. मोहनदास के सुखी, स्वस्थ और उपयोगी सेवानिवृत्त जीवन की कामना करता हूं। मोहनदास शुरू से ही न्यूज़लेटर और जन जागरूकता टीम के बहुत सक्रिय सदस्य रहे हैं और उन्होंने इस प्रकाशन में कई तरह से योगदान दिया है। 28 वर्षों तक उनके साथ काम करने के बाद, मैं उन्हें एक बहुत ही ईमानदार और पूरी तरह कार्य में समर्पित व्यक्ति के रूप में जानता हूं, जिनके पास चीजों का निर्माण करने की उत्कृष्ट क्षमता है, जिसने उन्हें आईपीआर की कई शुरुआती अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में, विशेष रूप से बीटा लैब में योगदान करने के लिए प्रेरित किया। जन जागरूकता प्रभाग में एक विज्ञान शिक्षक की भूमिका निभाने के साथ, प्लाज्मा से संबंधित कई कार्यकारी मॉडलों के डिज़ाइन और निर्माण का दायित्व इन पर था। जो वर्तमान में ये मॉडल जन जागरूकता प्रभाग द्वारा अपनी गतिविधियों में उपयोग किए जा रहे हैं। ये 31-मार्च-2023 को आईपीआर में 30 से अधिक वर्षों की समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं।

- डॉ. ए. वि रवि कुमार

प्लाज्मा समाचार समिति के सदस्य

छाया चावडा	डॉ. सूर्यकान्त गुप्ता	डॉ. अनिल कुमार त्यागी	धर्मेश पुरोहित	निशा	डॉ. संध्या दवे	मुकेश सोलंकी
------------	-----------------------	-----------------------	----------------	------	----------------	--------------

प्लाज्मा समाचार' में प्रकाशित सामग्री आईपीआर के मासिक समाचार पत्र 'The 4th State' से ली गई है। इस सामग्री को प्रदान करने लिए आईपीआर की न्यूज़लेटर टीम को विशेष आभार।

प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान
भाट, इंदिरा ब्रिज के पास
गांधीनगर 382 428,
गुजरात (भारत)



Web : www.ipr.res.in
E-mail : newsletter@ipr.res.in
Tel : 91-79-2396 2000
Fax : 91-79-2396 2277